Publication: Dainik Jagran
Date: March 7, 2017

फ्रूट प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन आज

मुख्यमंत्री रघुवर दास करेंगे शुभारंभ, बिना केमिकल के फलों व सब्जियों का किया जाएगा प्रसंस्करण

जागरण संवाददाता, रांची : नगड़ी स्थित मदर डेयरी का फ्रूट एंड वेजीटेबल प्रोसेसिंग प्लांट बनकर तैयार है। यहां फलों और सब्जियों का प्रसंस्करण कर उपभोक्ताओं के बीच सफल ब्रांड के नाम पर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रोसेसिंग में किसी भी तरह का केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। सीमित तापमान में सब्जियों को काटकर प्रसंस्कृत किया जाएगा। मंगलवार को नगड़ी में मुख्यमंत्री रघुवर दास प्लांट का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के चेयरमैन दिलीप रथ ने सोमवार को प्रेसवार्ता में दी।

मटर का प्रसंस्करण : रथ ने बताया कि प्लांट के माध्यम से प्रारंभिक चरण में मटर का प्रसंस्करण किया जाएगा। इसे लेकर तैयारी पूरी हो गई है। इसके बाद गाजर, गोभी, कटहल सहित अन्य सब्जियों को काटकर प्रसंस्करण किया जाएगा। माइनस 18 डिग्री सेल्सियस कमरे का तापमान रखा जाएगा, ताकि सब्जियों की गुणवत्ता बनी रहे।

होटल रेडिशन ब्लू में कार्यक्रम की जानकारी देते बोर्ड के चेयरमैन दिलीप रथ ● जागरण

दो हिस्सों में होगा काम : प्लांट दो हिस्सों में काम करेगा। पहले हिस्से में सब्जियों का प्रसंस्करण किया जाएगा और दूसरे हिस्से में मैंगो और टमाटर का पल्प तैयार किया जाएगा।

पल्प की यूनिट के उपकरणों को बैठाया जा रहा है। जल्द ही दूसरी यूनिट में पल्प का उत्पादन शुरू हो जाएगा। रथ ने बताया कि एनडीडीबी होटवार स्थित मेधा प्लांट में वर्तमान में 85 हजार लीटर दूध की प्रोसेसिंग की जा रही है। डेढ़ वर्ष पहले मात्र छह हजार लीटर दूध की प्रोसेसिंग होती थी। आनेवाले आठ वर्षों में आठ लाख लीटर दूध का उत्पादन करने की तैयारी चल रही है। 16 सौ गांवों को झारखंड मिल्क फेडरेशन ने अपने साथ जोड़ा है। दूध का उत्पादन बढ़े, इसके लिए अन्य जिलों में प्रोसेसिंग प्लांट शुरू करने की तैयारी चल रही है। झारखंड मिल्क फेडरेशन के एमडी बीएस खन्ना ने बताया कि किसानों को दूध का पैसा उनके खाते में सीधे डाला जा रहा है। मौके पर मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्रोसेसिंग प्लांट के एमडी एस नागराजन ने प्लांट की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

ऑटोमेटिक तरीके से होगी प्रोसेसिंग

रांची : मदर डेयरी के फ्रूट एंड वेजीटेबल प्रोसेसिंग प्लांट में फलों के साथ-साथ सब्जियों का भी प्रसंस्करण ऑटोमेटिक तरीके से किया जाएगा। प्रोसेसिंग प्लांट में लगाए गए सभी उपकरण स्वचालित हैं। इन्हें विदेश से मंगाया गया है। मटर, बींस, कटहल, फूलगोभी और गाजर सहित अन्य सब्जियों का प्रसंस्करण किया जाएगा। प्लांट के दूसरे हिस्से में मैंगो का पल्प तैयार किया जाएगा। धीरे-धीरे उत्पादों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। प्लांट का निर्माण सिर्फ दस महीने में किया गया है। वह भी 82.77 करोड़ रुपये की लागत से। प्लांट में सब्जियां और फल प्रदेश के किसानों से लिए जाएंगे। खेतों में हाइब्रिड सब्जियों के उत्पादन के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। किसान अपनी सब्जियों को सीधे प्लांट में जाकर दे सकते हैं या फिर एक निश्चित स्थल पर दे सकते हैं और कंपनी इन सब्जियों को प्लांट तक ले जाएगी। मटर को छीलने के लिए किसी भी व्यक्ति को लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मशीन में डालते ही मटर के दानों को छीलकर अलग कर दिया जाएगा। मैंगो पल्प प्रोसेसिंग यूनिट में उपकरणों का लगाया जा रहा है।

एनडीडीबी का प्रसंस्करण प्लांट ● जागरण